रचनात्मक आकलन
चित्रकला – कक्षा–9

कला विषय में विषयगत दक्षताओं के साथ आलेखन, मानव चित्रण, रचनात्मक कौशल आदि कक्षाओं के माध्यम से बहुआयामी कलात्मक क्षमता का विकास किया जाना चाहिए–
जैसे–

1. पुस्तकों में चित्रित मानवचित्र को देखकर चित्रण करवाना।
2. रंगोली–(आलेखन)
3. अक्षर लेखन

उपरोक्त दक्षताओं के विकास के लिए–

1– बच्चों से कक्षा में ही उनके कॉपी के पेज पर ही भांति–भांति की रंगोली आदि बनवा सकते हैं।
2– कक्षा में हीं छात्रों की टोली बनाकर छात्रों द्वारा अल्पना/रंगोली, मानव आकृति बनवाया जा सकता है।
3– प्राविधिक कला की कक्षा में अक्षर लेखन एवं ज्यामिती आलेखन बनवाना।
4– बच्चों के विषय चुनाव के आधार पर बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर का अभ्यास करवाया जाए।

विद्यार्थियों की दक्षताओं के मापन के लिए रिकार्ड निम्नवत करें–
तिथि–31.08.2021
विषय–अक्षर लेखन

क्र0सं0	विद्यार्थी का नाम	पूर्णांक	प्राप्तांक	टिप्पणी
01	ABC	10	04	अक्षर मानक पर नही है, एवं लेखन में अशुद्धि है।
02	XYZ	10	08	अक्षर लेखन मानक पर सही है शुद्ध है, परन्तु कलात्मक अभाव है।
03	MNO	10	06	अक्षर मानक पर सही है, किन्तु लेखन में अशुद्धि है।
04	PQR	10	09	मानक पर सही है, लेखन भी शुद्ध है एवं लेखनी कलात्मक है।

विद्यार्थियों के प्रोत्साहन एवं व्यक्तित्व विकास के लिए –

i. बच्चों के द्वारा बनाये गये चित्रों/मानव आकृति को विद्यालय के सभागार, कक्षा आदि में चस्पा करवा सकते हैं।
ii. प्रमुख अवसरों पर बच्चों से अल्पना/रंगोली बनवा सकते हैं।
iii. कक्षा में सर्वोत्तम चित्रों को बच्चों के सम्मुख प्रदर्शित कर सकते हैं।
iv. सुधार करने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए कक्षा में छात्रों द्वारा तालियाँ बजवाना एवं मौखिक उत्साह वर्धन कर सकते हैं।
v. कमजोर छात्रों को नियमित अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।